

आमा कथि

2953

ARCHIVES

आमा न. कथि

2953

NOTES ARCHIVES

१३ का नात्यत्र शुकारं म धा सिं हासनस्थितं वाधिगासुदे

१३ नमः ४थीय प्रवृत्तयश्च माय ३॥ न अ वक्रांशुर्वदशद्वयवीधिरुगाय कामत्र
२३ शुभ शार्भदिचक्रवार्गयरुमिनगगलाय कृकाकागलर्ममज्ञसे चदुष्टजन
३३ वविधमगलगांशुर्ववा हलाहूकययाग जवशुसगवग ४यप्रवृत्तयस्व २॥ अ
यिच ॥ या सार्भमायचक्र विचययमिभन ४मक्रियागमदगा साधियस्यय
सादादिसगिनिजर्वस्वामिना नियय ३॥ नञ्चयत्यात्मवर्ध समुचयमिसर्व
कल्याणाजालमर्क कूर्योतस्याधियर्गसिचसिचिनयं मरुच सर्वकार्त्त २॥ अ

यिचको ॥ यस्या वैरुड काटि काटिविकटय अमृनुलोत्सवे खककमधूयानलं य
 मठया ॥ अनिशिदिद्विद्या ॥ अमि ॥ यनववायवाधनकरीक्रिनस्यविक्षावनि ॥
 ककमनिसि ॥ मयाठरागवान् शीयमृनृत्यम्वलस्य ॥ १ ॥ ॐ नमः ॥ शीयमृनृत्य
 म्ववाय ॥ १ ॥ ॐ नमः ॥ शीयकसम्ववाय ॥ १ ॥ नमस्काय ॥ ॐ नमः ॥ शीयकसम्ववाय
 ॥ जाव ॥ धसधकुजिनहृदयानन्दकालि ॥ कायाक ॥ जगजानन्दलोचन ॥ जाव
 ॥ कमलासनस्थ ॥ समिवनधवा ॥ कर्लकमर्ल ॥ कायाक ॥ सहजानन्दकालिका ॥

जाव ॥ निखिरजिनहृदया ॥ जावसुन्दर ॥ कायाक ॥ नरुकम ॥ कुमाया ॥ लावजाव ॥ ० ॥
 १ ॥ गमर्माली ॥ विधसवारुदिविधर्विवा ॥ मायावरुदीयाथीमसर्सवा ॥ ॥ नमा
 मि ॥ वागीश्वरसचमनिहृदया ॥ विवासयिकुर्ताग ॥ सनाहृदयम्वल ॥ जिनहृदया
 ॥ ॥ यिरनीलारुही ॥ गिरवयर्न ॥ यश्च ॥ जिनमेकदासनि ॥ ययर्न ॥ ॥ धर्मवक्रम
 डाकूलीसमलासि ॥ यश्चावाययिषहाहृदयस्थ ॥ ॥ सुवासुवनमिरवववव ॥ १
 रुनयियवमादिवज्जिनगुहववर्न ॥ ० ॥ — ॥

संज्ञासूत्र

॥ नागशेखरि ॥ मध्यममहागनिकमैतवाजिकं यूर्वादिदहनकम्बुदियं १ अयवय
दायनिःकुलकुरुवनेयववर्षयचक्रितआधियाव ॥ ॥ नमयेश्वरवर्द्धविश्व
धीजिर्गविश्वदहनविश्वरुगयवमन्मि १ अमृदियानवाशक्तिजिनसमानशाहन
कुरुयतिमिरयनधावययं ॥ ॥ कागवदनस्ययाडयदियं याडयदियनकु ॥
न १ स्वसनयाडयदियवडदिगुरुन याडयदियथीखलुययु ॥ ॥ दिवदययावे
। यनरवधिवर्यविश्वसकमुष्णदववविश्व १ अतवाडादिविश्वआयकवकास

संज्ञासूत्र

मिद्रालनिधिनिरिववदयंमि ॥ ॥ अतववनमिद्रलमुसा रक्तिजिनसंमा
नैयविशवनासनकुरुमडदयलिसरुवियका १ यववयविशवनासकयविश्व
साशवकवधिसंजननसकुकुर्ज ॥ ॥ नागशेखरि ॥ निमानलिबहुयष्टिः
दवसवावुरुमध्यगनकादिहनादवुयि १ समिलयलिककाधगमिनिनवनिन
सकायमकावनादवुयि ॥ ॥ डैनसाभिदेवीथीवकाविनामिकशिरवहन
नकासमरुनदवी १ आदियानयनमिविकामवयथीहनमुविमुर्द्धमकुल

निगयकि ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
 प्रकटलकामलमहासुखसुखं हृदयानुययीतु वानाथ ॥ ॥ दहमिदि
 नविद्याविमिश्रयान् रुदतिशतकं सुतवाययानदनुयी २ यीथादिदमकुमि
 गगनसूगगयऊनि किनरूतनदायनिविलम्बवा ॥ ॥ दयनयमिदिन्दु
 वज्रवहायमश्रुदि ॥ नीशि सुमवज्रवज्रदयी २ कलकलमात्रुश्रुयाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सवना दुर्गाकिनासनमा कषदागा ॥ ॥ वागश्रुन्वायसेवयी ॥ ॥ वागश्रुन्वायसेवयी ॥ ॥ वागश्रुन्वायसेवयी ॥
 ह्यानस्वसूर्य २ यंवाश्रुगवस यश्च ॥ लिपुक्रिया ॥ ॥ कुक्रदवीवविजयगीतु
 वनवीवा २ वीवमलायकासमयानन्द ॥ ॥ विषवीलश्रुतसहजानन्दन २ कल
 वासवासनदिदयानन्द ॥ ॥ यंववृद्ध यंवस्कीध स्वयं २ देवासललवयमह
 दया ॥ ॥ ॐ श्री ह्रीं खं ॥ वागश्रुवायिक २ सुमवज्रवज्रनि विवमानन्द ॥ ॥
 २ वागयटमश्रुवि ॥ अनिलश्रुनवकलकारुवमाहु मत्रमकुलवकाया २ वज्रय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कलसलजावस यलिरवि मरुमकुलचक्रवाया ॥ ॥ ७ मरुकरयिया शुभ्य
 कोत्रन आ मरुददुव करयिया २ वेकवावादि आ प्रिगन मरुव करयिया ॥
 हृमिसविलविच मरुस कदिकुदि गदि गदि अरुसम मरुन २ अरुनरुन मरुवदव
 वरुखद मरुदवी मिरुनिरुयन मरुदव ॥ ॥ शिमुवनरु मरुव कवाय मरुदा शि
 मुवनरु मरुव कविच शिविला २ शिनिरुवन मरुवना मरुव मरुलिच रुविया डयवा
 वावा ॥ ॥ अदिनी मरुददुव मरुवा मरुला रु दिकुव मरुव मरुवा २ मरुवम

मलनरुयवधन रुदिकुव मरुय मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा ॥ ॥ १ मरुवा नाट ॥ मरुवा
 वरुनरुनि मरुवायन मरुवमि २ मरुवा मरुद मरुवा यरुवन किला ॥ ॥ २ मरुवा
 वीवा मरुनि मरुवा मरुदवी २ मरुवा मरुवा मरुदिव मरुयन मरुला रु ॥ ॥ मरुवा मरुवद मरु
 मरुन वरुवा २ मरुवा मरुव मरुदिव मरुवा मरुदिव मरुवा ॥ ॥ मरुवा मरुवद मरु
 मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा ॥ ॥ मरुवा मरुवद मरु
 मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा ॥ ॥ मरुवा मरुवद मरु
 मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा मरुवा ॥ ॥ मरुवा मरुवद मरु

१ वाक्षलियकाय

आशुभाकरवाथि

2953

ASHA ARCHIVES

ॐ नमः वरुणस्य ॥ वाधायात्रिकं नृपति ॥ दूर्यां सुकुरु नमस्तु नयात्रिकं ॥ १२ ॥
॥ १२ ॥ धनं लिखान्वासनं आरुयन्वायाडी नकनचउ नन धानरुस सुथवि
रवायाव धाकलय सिधसूठ कसकन मन धनिधायनायादाडी ॥ ० ॥ ध
नयुनसुलदनेके मनसिधसूठ कसकन धुनियुजायात्रिकं ॥ नगासकमिका
नयन ॐ वरुणनक नक द्रुखादा ॥ धानरुस खानवायक ॥ ० ॥ ॐ वरुणदिवानला
यनायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ दधू ॥ ॐ आदित्यायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ ददन ॥
ॐ नमः ॥ सुथयवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ खडाम ॥ ॐ आ ॥ ॐ दायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥
धडान ॥ ॐ आनी नानम ॥ ऊडाम ॥ धुनिमध्रस ॥ ० ॥ ॐ आससायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥
युर्व ॥ ॐ आ ॥ लादिनायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ दक्षिण ॥ ॐ आ ॥ लादि ॥

यवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ यदि ॥ ॐ आ ॥ वाजायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ डरुन ॥ ॐ आ ॥ ग
वायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ अग्र ॥ ॐ आ ॥ निधनायवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ नेमत्य ॥ ॐ
आ ॥ नारुववरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ वायु ॥ ॐ आ ॥ कनवरुयु ययनिष्ठुखादा ॥ ॐ ॥
धनं दधुमल ॥ धनलिअलासिकिनदनवाय दीसैरोकसखानवाय ॥ ० ॥ रुदिवाय
खादा ॥ ॐ लादि ॥ यखादा ॥ ॐ गसिलायखादा ॥ ॐ आ ॥ दायखादा ॥ ॐ यनवरुयुखादा ॥ ॐ य
थायखादा ॥ ॐ अ ॥ यखादा ॥ ॥ ॥ धुनियुर्व ॥ ॐ मघायखादा ॥ ॐ युर्वलागु ॥ ॐ लादा ॥ ॐ
डरुलागु ॥ ॐ द ॥ यखादा ॥ ॐ विनायखादा ॥ ॐ विगिर्यखादा ॥ ॐ विसाययखादा ॥
॥ ॥ ॥ धुनिददिना ॥ ॥ ॐ अनूनायखादा ॥ ॐ अलायखादा ॥ ॐ मूनायखादा ॥ ॐ युर्वखा
धायखादा ॥ ॐ उनायाखादा ॥ ॐ अविदियखादा ॥ ॐ मनवनायखादा ॥ ॥ ॥ धुनियकिम

॥**उं** धनं ता य स्वाहा ॥**उं** सकृत् रि ता य स्वाहा ॥**उं** वृत्तं त्रि डा य स्वाहा ॥**उं** उरु डा य स्वाहा ॥**उं** व व न्ति य
 स्वाहा ॥**उं** अ सु नि य स्वाहा ॥**उं** रु न्नि य स्वाहा ॥ १ ॥ ध मि उ र्द न ॥ द्वा द श ना सि वा य ॥**उं** म
 ख ना सि स्वाहा ॥ य ॥**उं** रु त ना सि स्वाहा ॥ द ॥**उं** मि धू न ना सि स्वाहा ॥ य ॥**उं** क क्त ना
 सि स्वाहा ॥ उ ॥**उं** सि द ना सि य स्वाहा ॥ अ ॥**उं** क न ना सि य स्वाहा ॥ ने ॥**उं** उ न ना सि
 य स्वाहा ॥ वा ॥**उं** वि रु ना सि य स्वाहा ॥ ७ ॥**उं** ध म ना सि य स्वाहा ॥ य ॥**उं** म क ना सि य स्वा
 हा ॥ द ॥**उं** क रु ना सि य स्वाहा ॥ य ॥**उं** मि न ना सि य स्वाहा ॥ उ ॥ १२ ॥ न द्वा दि ७० द्वा दि
 द श ता क या न वा य ॥ ० ॥**७०** द्वा य स्वाहा ॥ य ॥ ज मा य स्वाहा ॥ द ॥ व नू ना य स्वाहा ॥ य
 ॥ कृ य ना य स्वाहा ॥ उ ॥ अ य स्वाहा ॥ अ ॥ नी न य स्वाहा ॥ ने ॥ वा य स्वाहा ॥ वा ॥**७०**
 ॥ धा य स्वाहा ॥ ७० ॥**उं** र्द र्द व द स्वाहा ॥ ध व न ॥ अ र्द य नि य स्वाहा ॥ का न ॥ ध न स्वा न र्द

क्ष न र्द र्द ता ना ॥ श म ध न अ र्द या च क ॥ र्द व स इ इ आ द न या य द्वा द श न स्वा न र्द र्द
 त्वा ना अ नू ना न क र्द र्द अ र्द या च क ॥ ० ॥**उं** न म ४ र ग व ल्य आ दि त्या य अ नू न स हि न
 य क का ट न य र्द ना ग र्द धू क कृ सु म र्द स य न क वा ॥ य य न क न ग र्द र्द र्द य वि ना
 य उ र्द ना न ध स मा नू ध य द व द न व कृ रु ॥ कि न ती के न स हि ना य अ व न न २ र ग व न
 म नू था ना दि ना य ७० उ र्द म उ ल ग र्द अ नू य व स ७० र्द अ र्द ग र्द य य धू य दि था य हा
 न व नी च य नि रु द्वा ना २ न म उ र्द र्द म कि य र्द क र्द य नि क ला र वे सा नि य कि कृ नू उ दि
 वा क न ला व ना य आ दि त्या य अ र्द य नि रु द्वा हा ॥ ० ॥ स र्द म य अ य द न य जा द
 धि स र्द उ वा नी र्द दि ला दि न न न र्द र्द न मा मि ॥ गि न द र्द स र्द म कृ ट उ य न र्द
 नि ॥ ० ॥ धू नि धू न र्द र्द र्द अ न र्द स म न जा या र्द य जा या चा क स्वा न न न र्द ॥ ० ॥ र्द वा

विश्वामित्र

कसुमसंवासं, कात्ययमरुदति, नमामिसर्वेयार्थं, यनमामिदिवाकन, सूर्ययदवा
यः॥त्यादि॥सयदन, ज्ञयात्यः॥त्यादि॥विसृजन, चितयुजा, आसिवात, त्वसचाय
कांछय, कर्त्तृ, सिधमूनिनडाकाय, इहनहायर्कनकाय, थान ७७ ससदडाजयकका
य॥थनलिच्छसकसयुजा, कामानीयुजाकाय, दगुनीसमय, आच्छस, समयाचकश
धूतिधूनदात्य, सयनवियकी, गनयाचक॥ • ॥ ७७ तिवाधायावाचिक, हन
वृद्धिसमाप॥ ७७ ॥ शवाधनयक १२ ककयं कडुं मनिथिक्कनयमनडा॥
७७ दिनवागं डासुमवागं डादुहंसयनिवागं डावादिइवकेशकोमाल॥

१३ काशयज्ञं कारु मध्यासि ह्यस नस्मिन् वापि गाम्दयायुत नभार्वे वायन क्षीतः ॥
१४ काशयज्ञं निवारं यवग्रास नस्मिन् रोगाय गाम्दिन ब्रुह्म नानमाप्तिं कुञ्जक्रात्यप्यनं
१५ काशयज्ञं हमारं दक्षी नक्ष्यस नस्मिन् वनदम्